अर्द्धवार्षिक परीक्षा 2016-2017

हिन्दी भाषा

कक्षा : XI

समय : 3 घंटे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

हिन्दी

प्र.1. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 400-450 शब्दों में एक निबन्ध अथवा कहानी लिखिए। [20]

(क) 'पहला सुख निरोगी काया' इस कथन के पक्ष में अपने विचार दीजिए साथ ही स्वास्थ्य का महत्त्व भी बताएँ।

(ख) 'विकास की अन्धी दौड़ ने पर्यावरण को बुरी तरह प्रभावित किया है' - इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालें।

(ग) विश्व को भारत का योगदान

(घ) रिश्तों में दरार — कारण एवं निवारण

(ङ) एक मौलिक कहानी लिखिए जिसका आधार निम्नलिखित उक्ति हो :-

(i) उगते सूर्य का संदेश, या (ii) आ बैल मुझे मार ।

प्र.2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें :-

फतेहपुर सीकरी मुगल साम्राज्य की अमर स्मृतियों में से एक है। अपना मनोरथ पूर्ण होने पर सम्राट अकबर ने इस सुन्दर नगरी को एक बीहड़ वन में बसाया था। इस नगरी में अकबर के दीवान-ए-खास' का विशेष महत्व है। यह भारतीय कला का एक अद्‌भुत नमूना है। एक ही स्तम्भ पर सारी ऊपरी मंजिल खड़ी है। इसके निर्माण में भारतीय कारीगरों ने बहुत कुछ बुद्धि व्यय की होगी। इसी महान स्तम्भ पर बैठकर अकबर विभिन्न धर्मानुयायियों के कथन सुना करता था और वे धर्मानुयायी नीचे चारों ओर बैठकर क्रम से अपने-अपने धर्म की व्याख्या किया करते थे।

अकबर का मस्तिष्क विश्व-बन्धुत्व तथा मानव-भ्रातृत्व के विचारों का पूर्ण आगार था। भिन्न-भिन्न धर्मों का भीषण संघर्ष देखकर उसके इन विचारों को भयंकर ठेस लगती थी, कठोर आधात पहुँचता था। अतः सभी धर्मों के कुछ मूल तत्वों का संग्रह कर वह एक ऐसा मत चलाना चाहता था जहाँ किसी भी प्रकार का वैषम्य न हो, जिसमें कोई धार्मिक संकीर्णता न पायी जाये। उस महान स्तम्भ पर स्थित अकबर अन्त में एक पूर्ण सत्य को पा गया कि ''ईश्वर एक है।'' इस एक सत्य पर ही अकबर ने 'दीन-ए-इलाही' का महान भवन खड़ा किया। ज्यों-ज्यों यह स्तम्भ ऊपर को बढ़ता जाता है, त्यों-त्यों उसका आकार बढ़ता जाता है और अन्त में ऊपर पहुँचकर एक ऐसा स्थान आता है, जहाँ पर सब धर्मानुयायी समान अवस्था में भाई-भाई की तरह मिल सकें। उस महान धर्म 'दीन-ए-इलाही' में जा पहुँचने के लिए अकबर ने चार राहें बनायीं जो हिन्दू, मुसलमान, बौद्ध औ ईसाइयों को सीधा विश्व-बन्धुत्व की उस विषद परिधि में ले जा सके।

परन्तु धार्मिक उदारता का यह दौर अधिक दिन न चला। अकबर की आँखें मुँदते ही 'दीन-ए-इलाही' का स्वप्न भंग

Downloaded from www.icseboard.org

हो गया। धार्मिक विद्वेष की चिंगारी सुलगने लगी और औरंगजेब के रूप में आए विस्फोट से विशाल मुगल साम्राज्य भस्मसात् हो गया।

प्र० (i) मुगल साम्राज्य का सर्वाधिक विकास किसके शासन काल में हुआ ? अन्त में उसके विनाश का कारण कौन बना ? समझाइए। [4]

(ii) 'दीवान-ए-खास की क्या विशेषताएँ हैं ? इसका उपयोग किस लिए एवं किस प्रकार होता था ? [4]

(iii) सम्राट अकबर के विचार कैसे थे ? क्या देखकर उसके हृदय को ठेस लगती थी ? [4]

(iv) अकबर की आँखें मुँदते ही विशाल मुगल साम्राज्य क्यों छिन्न-भिन्न हो गया ? समझाएँ। [4]

(v) आपके अनुसार अकबर कट्टर धार्मिक विचारों का था या उदारवादी ? स्पष्ट करें। [4]

3. निम्नलिखित मुहावरों से वाक्य बनाएँ :- (मुहावरे अवश्य उतारें) [1x5=5]

(क) आस्तीन का साँप ।

(ख) हाथ-पैर फूल जाना ।

(ग) टस से मस न होना ।

(घ) चकमा देना।

(ङ) आँखें खुलना ।

4. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्त्तित कीजिए :- [1x5=5]

(i) इसे अवलंब अस्पताल ले जाओ (वाक्य शुद्ध कीजिए)

(ii) क्या यह संभव हो सकता है ? (वाक्य शुद्ध कीजिए)

(iii) यह सुनकर मैं अतिविस्मय हुआ । (वाक्य शुद्ध कीजिए)

(iv) वह मेरा प्रिय अभिनेता है। (लिंग बदलकर वाक्य पुनः लिखिए)

(v) तीनों अपना-अपना अधिकार जताने लगे । ('तीनों ने'.....से वाक्य प्रारम्भ कीजिए।)

'हिन्दी साहित्य' [12½x4=50]

किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक पुस्तक से एक-एक प्रश्न करना अनिवार्य है।

1. 'नदी के द्वीप' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए। उद्देश्य भी स्पष्ट कीजिए।

2. 'इसमें सच्ची ममता के दाने बोने हैं, इसमें ज्ञान की क्षमता के दाने बोने हैं, इसमें मानव समता के दाने बोने हैं' - कविवर पंत ने ऐसा क्यों कहा है ? स्पष्ट कीजिए।

Downloaded From www.icseboard.org

3. भाई आफत सबके ऊपर आती है। मनुष्य, मनुष्य को सहारा देता है, जानवर तो नहीं देते। तुम्हारे भी बाल बच्चे हैं। कुछ दया के साथ काम लो।" उपर्युक्त कथन किसने, किससे, कब और क्यों कहा ? समझाकर लिखिए। संदेश भी बताइए ।

4. 'सती' कहानी में मदालसा ने तीनों महिलाओं के विश्वास को किस प्रकार तोड़ा ? विस्तार से समझाइए। क्या भविष्य में हमें इससे कुछ सीख लेनी चाहिए ? क्यों ?

5. 'प्रभा एवं समर के बीच दूरियाँ बढ़ाने में भाभी की अहम् भूमिका थी' – पठित अंश के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

6. "बाबूजी अमर को भेज दीजिए, मैं नहीं जाऊँगा" प्रस्तुत वाक्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। इस वाक्य से समर के चरित्र का कौन सा पक्ष उजागर होता है ? समझा कर लिखिए।

Downloaded From www.icseboard.org